

27/12/24

सा. पेडा डुरी जाकी / जाकी वहील अनुपाषि। जाकी /
जाकी वहील नो वाट - 2 आवज वावरी गरी। वाट
आवज नी अनुपाषित रीत कल: जाकीत पड जाकी
अस पेनी अस हाजिरी में वाजि मिया जाता है
पनावली फेलत शुमार ही नंवा है कस हास
वाजिल वजत ही



[Faint, illegible handwritten text at the bottom of the page]